M.A. F.Y. (Pali & Prakrit) (Choice Based) Regular Semester 2016 Semester - I

MAPPCBCS102 - Pali - Paper-II : Pitketter Sahitya
(पिटकेत्तर साहित्य)

P. Pages : 4 **GUG/W/16/8008**

Time : Three Hours * 5 0 3 9 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
सभी सवाल छुडाना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए ।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए ।

अथ खो मिलिन्दो राजा आयस्मन्तं नागसेनं एतदवोच - ''नाहं, भन्ते, नागसेन, मुसा भणामि। ईसं च पटिच्च, चक्कानि च पटिच्चं, रथपञ्जंर च पटिच्च, रथ दण्डकंच पटिच्च 'रथो' ति संखा समञ्ञा पञ्ञत्ति वोहारी नाममत्तं पवत्तती'' ति। ''साधु खो त्वं, महाराज, रथं जानासि। एवमेव खो, महाराज मय्हं पि केसे च पटिच्च, लोमेच पटिच्च ---- मत्थके मत्थलुंगं च पटिच्च, वेदनं च पटिच्च, सञ्ञंच पटिच्च, संखारे च पटिच्च, विञ्ञाणं च पटिच्च 'नागसेनो' ति संखा समञ्ञा पञ्ञत्ति वोहारो नाममत्तं पवत्तति। परमत्थतो पनेत्थ पुग्गलो नूप लब्भति। भासितं पेतं, महाराज, वजिराय भिक्खुनिया भगवतो सम्मुखा -

यथा हि अंग सम्भारा, होति सद्दो रथो इति ।
एवं खन्धेसु सन्तेसु, होति सत्तो ति सम्मुति'' ति।।

OR / अथवा

''यथा, महाराज, उपरिपब्बते महामेघो अभिप्पवस्सेय्य । तं उदकं यथानिन्नं पवत्तमानं पब्बत कन्दर पदर साखा परिपूरेत्वा नदिं परिपूरेय्य। सा उभतो कूलानि संविस्सन्दन्ति, गच्छेय्य। अथ महाजन काया आगन्त्वा तस्सा नदिया उत्तानतं वा गम्भीरतं वा अजानन्तो भीतो वित्थतो तीरे तिट्ठेय्य। अथञ्ञतरो पुरिसो आगन्त्वा अत्तनो थामं च बलं च सम्पस्सन्तो गाळहं कच्छं बन्धित्वा पक्खन्दित्वा तरेय्य। ते तिण्णं पस्सित्वा महाजनकायो पि तरेय्य। एवमेव खो, महाराज, योगावचरो अञ्ञेसं चित्तं विमुत्तं पस्सित्वा सोतापत्तिफले वा सकदागामिफले वा अनागमिफले वा अरहन्ते सम्पक्खन्दन्ति, योगं करोति अप्पत्तस्स पत्तिया, अनाधिगतस्स अधिगमाय असच्छिकतस्स सच्छिकिरियाय । एवं खो, महाराज, सम्पक्खन्दन लक्खणा सध्दा ति ।
भासितं पेतं, महाराज, भगवता संयुक्त निकायवरे,
'सध्दाय तरति ओघं, अप्पमादेन अण्णवं।
विरियेन दुक्खमच्चेति, पञ्ञा परिसुज्झती'' ति।
''कल्लोसि, भन्ते नागसेन।'' ति ।

ब) राजा मिलिंद आणि देवमंत्री अनंतकाय यांच्यातील चर्चा स्पष्ट करा. **6**
राजा मिलिन्द और देवमंत्री अनंतकाय इनमें हुयी चर्चा स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

भन्ते नागसेन ने राजा मिलिंद ला शीलाचे लक्षण कशाप्रकारे पटवून सांगितले? स्पष्ट करा.
भन्ते नागसेन ने राजा मिलिन्द को शील का लक्षण किस प्रकार समझा दिया? स्पष्ट कीजिए ।

2. अ) भन्ते नागसेन ने केलेल्या नामरुपसंबंधी प्रश्नाच्या स्पष्टीकरणार्थ सविस्तर वर्णन करा. **10**
भन्ते नागसेन ने किए हुए नामरुप सम्बन्धी प्रश्न के स्पष्टीकरण स्वरुप सविस्तर वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

''लक्खण पञ्हो'' चा थोडक्यात सारांश लिहा.
''लक्खण पञ्हो'' का संक्षेप में सार लिखिए ।

ब) नामरुप पुनर्जन्मसंबंधी प्रश्नाचे भन्ते नागसेनच्या भाषेत वर्णन करा. **6**
नामरुप पुनर्जन्म सम्बन्धी प्रश्न का भन्त नागसेन के भाषा में वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

'अध्दान वग्गो' चा थोडक्यात सारांश लिहा.
'अध्दान वग्गो' का संक्षेप में सार लिखिए ।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

उपेक्खासहगतं कुसलविपाकं चक्खुविञ्ञाणं तथा
सोतविञ्ञाणं, धानविञ्ञाणं, जिव्हाविञ्ञाणं, सुख -
सहगतं कायविञ्ञाणं, उपेक्खासहगतं सम्पटिच्छनचित्तं,
सोमनस्स सहगतं सन्तीरणचित्तं, उपेक्खा सहगतं
सन्तीरणचित्तञ्चेति इमानि अट्ठ पि
कुसल विपाका हेतुक चित्तानि नाम ।

OR / अथवा

सोमनस्स सहगतं ञाणसम्पयुत्तं असंखारिकमेकं,
ससंखारिकमेकं, सोमनस्ससहगतं ञाणविप्पयुत्तं
असंखारिकमेकं, ससंखारिकमेकं; उपेक्खासहगतं
ञाणसम्पयुत्त असंखारिकमेकं, ससंखारिकमेकं;
उपेक्खासहगतं ञाणविप्पयुत्तं असंखारिकमेकं,
ससंखारिकमेकं ति इमानि अट्ठ पि सहेतुककामावचर
विपाक चित्तानि नाम ।

ब) कुशल चित्ताविषयी चर्चा करा. **6**
कुशल चित्त के बारे में चर्चा कीजिए ।

OR / अथवा

अकुशल चित्ताविषयी चर्चा करा.
अकुशल चित्त के बारे में चर्चा कीजिए।

4. अ) शोभन चैतसिक विषयी सविस्तर चर्चा करा. **10**
शोभन चैतसिक के बारे में सविस्तर चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

चैतसिक म्हणजे काय हे सांगून चैतसिक संग्रहाविषयी सविस्तर चर्चा करा.
चैतसिक का अर्थ बताकर चैतसिक संग्रह के बारें में सविस्तर चर्चा कीजिए।

mynotes.in

ब) विरती चैतसिक विषयी चर्चा करा. **6**
विरती चैतसिक के बारे में चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

अप्पमञ्ञादयो विषयी चर्चा करा.
अप्पमञ्ञादयो के बारें में चर्चा कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) अभिधम्मत्थ संगहो

2) मिलिन्द पञ्हो

3) ञाणपञ्ञा

4) कामावचार कुसल चित्त

ब) योग्य पर्याय निवडा. **10**
सही पर्याय चुनिए ।

1) नागसेनचा जन्म कोणत्या गावात झाला?
नागसेन का जन्म किस गाँव में हुआ?
अ) देवनांगल ब) नावांगल
क) कजंगल ड) बजंगल

2) शोभन चित्त किती आहेत?
शोभन चित्त कितने है।
अ) 49 ब) 59
क) 69 ड) 79

3) भन्ते नागसेनने व्यापाऱ्याला कोणता उपदेश केला?
भन्ते नागसेन ने व्यापारी को कौनसा उपदेश किया?
अ) विनय ब) सुत्त
क) अभिधम्म ड) त्रिपिटक

4) अन्य समान चैतसिक किती आहेत?
अन्य समान चैतसिक कितने है?
अ) पाच ब) सहा
क) सात ड) आठ

5) मिलिंद प्रश्न हा ग्रंथ कोणत्या साहित्यात येतो?
मिलिन्द प्रश्न यह ग्रंथ कौनसे साहित्य में आता है?
अ) त्रिपिटक साहित्य ब) पिटक साहित्य
क) पिटकेत्तर साहित्य ड) वंस साहित्य

munotes.in

6) अकुशल चित्त किती आहेत?
अकुशल चित्त कितने है?

अ) 02 ब) 12
क) 22 ड) 32

7) विर्याचे लक्षण काय आहे?
वीर्य का लक्षण क्या है?

अ) कमी करणे ब) जास्त करणे
क) कमजोर करणे ड) दृढ करणे

8) भन्ते नागसेन कोणाचा शिष्य होता?
भन्ते नागसेन किसका शिष्य था?

अ) मोहन ब) रोहण
क) सोहण ड) ग्रहण

9) परमार्थ किती प्रकारचे आहेत?
परमार्थ कितने प्रकार के है?

अ) तीन ब) चार
क) पाच ड) सहा

10) राजा मिलिंदाच्या राजवाड्यात किती भिक्षुंनी भोजन ग्रहण केले?
राजा मिलिन्द के महल में कितने भिक्षुओं ने भोजन ग्रहण किया?

अ) साठ हजार ब) सत्तर हजार
क) अंशी हजार ड) पन्नास हजार

****

munotes.in